भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

12.05.2016 **को राज्य सभा में**

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 2085

तेलंगाना राज्य में यूरेनियम शोधशाला संयंत्र

2085. **श्री पलवई गोवर्धन रेड्डी:**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **क्या यह सच है कि तेलंगाना राज्य में यूरेनियम के भंडार मौजूद हैं; और**

(ख) **यदि हाँ, तो भारत सरकार यूरेनियम निकालने और साथ ही यूरेनियम शोधशाला संयंत्र स्थापित करने के लिए क्या-क्या कदम उठा रही है?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) **जी, हाँ। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) का एक संघटक यूनिट, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), एक अन्वेषण एजेंसी है, जिसका अधिदेश, देश के नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक यूरेनियम, थोरियम जैसे खनिज संसाधनों और अन्य विहित पदार्थों का मूल्यांकन करना है। इस यूनिट ने तेलंगाना के नालगोंडा जिले के कुछ भागों में महत्वपूर्ण यूरेनियम निक्षेपों (डिपॉजिट) का पता लगाया है।**

मार्च 2016 **तक, तेलंगाना राज्य में जिन यूरेनियम निक्षेपों का पता लगाया गया है, उनका ब्यौरा निम्नानसुार है:**

जिला	**निक्षेप का नाम**	**यूरेनियम भंडार**	
		U_3O_8 (t)*	U (t)*
नालगोंडा	**लंबापुर**	1,450	1,230
	पेडागट्टू	7,585	6,432
	चित्रियाल	9,515	8,069
	कुल	18,550	15,731

*t (टन) [1 t U_3O_8=0.848 **टन यूरेनियम धातु (यू)**]

(ख) **परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सार्वजनिक क्षेत्र के एक उपक्रम, यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) ने, ज्ञात सभी भंडारों में से, नालगोंडा जिले के लंबापुर-पेडागट्टू क्षेत्र में तीन भूमिगत खानों तथा एक खुली विवृत (ओपन पिट) खान का निर्माण करने के लिए, परियोजना-पूर्व गतिविधियां आरंभ कर दी हैं।**

*****